(A+B+C)
AP-7

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - I)

GENERAL STUDIES (Test - I)

मॉड्यूल - I / Module - I

DTVF/17–M–GS1

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Chetan Kumar

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	2	5	4	8	0	8

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Chetan

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

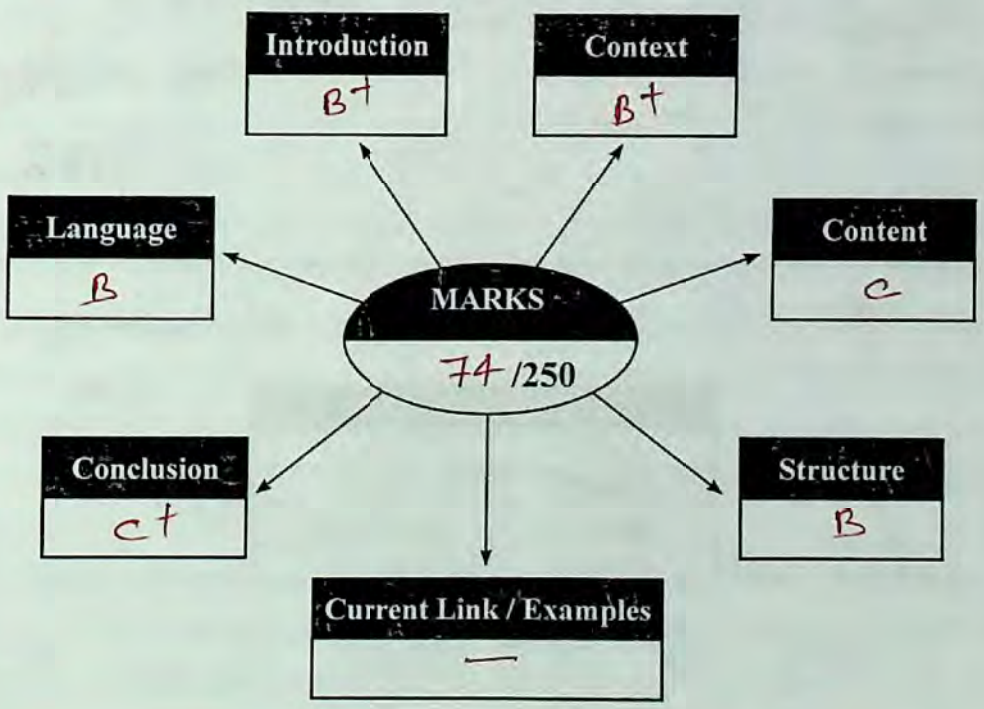

Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- विषय वस्तु पर ध्यान दें।
- शुद्ध लिखने का प्रयत्न करें।
-
-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. "बंगाल के राष्ट्रवादी कलाकार कला की एक ऐसी विधा की ओर उन्मुख हुए जिसने राष्ट्र के प्राचीन मिथकों एवं जनश्रुतियों को विभिन्न चित्रात्मक तत्त्वों को मिश्रित करके एक नवीन भारतीय शैली को जन्म दिया, जो पूर्वी दुनिया के आध्यात्मिक रंग में रंगी हुई थी।" उक्त कला के तत्त्वों के आधार पर कथन का विवेचन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The nationalist artists of Bengal were oriented towards such kind of knowing of the art that generated a new genre by mixing ancient myths and legends of the nation with various pictorial elements, that was painted in the spiritual color of the Eastern World." Discuss statement on the basis of the elements of above art. (250 words) 12.5

यह वह समय था जब 19वीं सदी की शुरुआत हो रही थी और राष्ट्रवाद अपनी नई दिशा खोज रहा था। एक ओर उदारवादी थे तो दूसरी ओर उग्रवादी। ये दोनों ही अपने अपने तरीके से स्वदेशीकरण पर बल दे रहे थे।

इस समय राष्ट्रवादी नेता ब्रिटिश की आर्थिक नीतियों की पोल खोल रहे थे। ऐसे स्वदेशीकरण के वातावरण में कलाकार भी प्रभावित हो रहे थे कि वे अपनी स्वदेशी पूर्व परंपराओं से अपनी कला का मार्ग तलाशें।

वस्तुतः बंगाल में राष्ट्रवादी गतिविधियाँ अपने उफान पर थी, तब अवीन्द्र नाथ टैगोर ने राजपूती चित्रकला शैली को मुगल

शैली को स्पष्ट करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चित्रकला शैली में मिलाकर उसमें पश्चिमी चित्रकला के तत्वों को भी शामिल किया। इस शैली को 'ठाकुर शैली' नाम दिया गया। जिसमें विषयवस्तु के तौर पर भारतीय मिथकों जैसे बुद्ध, जातक कथाएँ, भारत माता का चित्रण किया और रंगों के तौर पर राजपूती शैली को अपनाया तथा पश्चिम की तरह स्वाभाविकता का ध्यान रखा।

इसी प्रकार के अन्य राष्ट्रवादी चित्रकार नंदलाल थे, जिन्होंने चित्रकला में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छात्रवृत्ति जीती तथा राष्ट्रवादी विषयों पर आधारित चित्र बनाए, जिनकी सांस्कृतिक प्रेरणा वे अपने समृद्ध ऐतिहासिक शैलियों से खोजते हैं।

वस्तुतः स्वदेशी आंदोलन ने जिस स्वदेशी अपनाओ का नारा दिया, उसे इन बंगाली चित्रकारों ने अपने चित्रों में व चित्रकला में आत्मसात किया और इसके जरिये चित्रकला में पश्चिमी आधिपत्य को चुनौती दी।

• प्रश्न के अनुरूप नहीं हुआ
• तत्वों को बांटें को

2

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. "भक्तिकाल से रीतिकाल की ओर प्रस्थान की जो झलक तत्कालीन साहित्य में मिलती है, वह वास्तव में सिद्धांत और व्यवहार में सामाजिक विचारों को दर्शाती है, जो जनता की आशा-आकांक्षाओं और चित्तवृत्ति का प्रत्यक्ष प्रतिबिम्ब है।" व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The glimpse of the shifting from Bhaktikal to Reetikal, which reflects in the literature of that time, actually portrays social notion in principle and practice, which is a direct reflection of the common man's expectations aspirations and imaginations." Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हिन्दी साहित्य इतिहास का परिवर्तन है।

उपरोक्त कथन प्रदर्शित करता है कि भक्तिकाल में सुधारों की जो चेतना चल रही थी, वह रीतिकाल में अपना रूप बदलती है और यह परिवर्तन अपने समय की राजनीति, अर्थव्यवस्था व स्थितियों में परिवर्तन के कारण हुआ।

वस्तुतः भक्तिकाल में मुस्लिम आधिपत्य भारत में स्थापित हुआ था। इस दौर व्यापक राजनीतिक, आर्थिक व धार्मिक परिवर्तन हुए, जिनकी झलक भक्तिकालीन साहित्य में दिखाई देती है। वस्तुतः कबीर आदि संतों में जो सामाजिक व धार्मिक सुधार की प्रेरणा सामने रही, मुस्लिम संस्कृति की संस्कृति से प्रेरित थी। इसलिए वे वर्णव्यवस्था, धार्मिक कर्मकाण्डों पर चोट करते हैं। तथा सूफी कवि अपनी समन्वयकारी चेतना से 'गंगा जमुनी तहजीब' का निर्माण करते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किन्तु, रीतिकाल के समय भारत में केन्द्रीकृत मुगल शासन स्थापित हुआ, जिससे सामंतों के बीच होने वाले युद्ध समाप्त हो गए। अब सामंतों के पास समय गुजारने के लिए साहित्य का अवलंबन करना पड़ा।

इन सामंतों के दरबार में रहकर कवियों ने उन्हें मनोरंजन प्रदान करने हेतु नारी के भोगमूलक चित्रण, युग समस्याओं से दूरी के रूप में दिखाई देती है। भक्तिकाल ने भक्ति की जो अलख जगाई, वह भी रहीम, विद्यापति आदि के जरिये जारी रही।

वस्तुतः रीतिकाल में साहित्य के स्तर पर नैतिकता का पतन, नारी की स्थिति में गिरावट, आदि समाज में हो रहे परिवर्तनों की ही द्योतक है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि रीतिकाल भक्तिकाल से अपनी सुधारवादी दृष्टि को थाम नहीं पाया, जो तत्कालीन जनता की चित्तवृत्तियों में हो रहे परिवर्तन का ही प्रभाव था।

8

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' सांस्कृतिक विविधता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के महत्त्वपूर्ण अवयव के रूप में पहचानी जाती है, जो भूतकाल की परंपराओं के साथ-साथ समकालीन प्रथाओं को भी आत्मसात करती है। उक्त कथन को स्पष्ट करते हुए यूनेस्को द्वारा भारत में पहचाने गए ऐसे प्रतिनिधि विरासतों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

'Intangible Cultural Heritage' is recognised as the important component of cultural diversity and creative expression which assimilates contemporary practices along with the traditions of the past. Discuss such representative heritages identified by UNESCO in India while explaining the above statement. (250 words) 12.5

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत वे हैं जो हमें प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देती, बल्कि चेतना के स्तर पर होती हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में भाषा, आचार विचार, दर्शन, गायन परंपरा, नैतिक मूल्य, खान पान के तरीके, रुचियाँ, परंपराएँ, रीतियाँ, प्रथाएँ, सामाजिक आचरणकानून आदि आते हैं।

गौरतलब है कि भाषा वह धारा है जो अभी भूतकाल में हुए परिवर्तनों, रचनाओं, प्रवृत्तियों, ज्ञान, दर्शन, परंपराओं को भावी पीढ़ी तक पहुँचाती है। चाहे बड़ों का सम्मान करने की परंपरा हो या विवाह जैसी परंपरा, ये अमूर्त सांस्कृतिक विरासत से ही आगे बढ़ती हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत हमारी साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनात्मक गतिविधियों, विचारों के स्तर, नैतिक प्रतिमानों को आगे बढ़ाती है। भारत के विविध धर्मों, जातियों, नस्लों, संप्रदायों की मान्यताएँ, प्रथाएँ, विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के जरिये आगे बढ़ती है।

यूनेस्को द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, बुद्ध मंत्रोच्चार, रम्मन, संकीर्तन, आदि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को अपनी सूची में शामिल किया है, जो भारत के विविध धर्मों, प्राचीन मान्यताओं व परंपराओं को वैश्विक ख्याति दिलाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

4. किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में चिह्नित करने वाले मापदंडों की चर्चा कीजिये। इस प्रवर्ग में शामिल भाषाओं का उल्लेख करते हुए इसके लाभ बताइये। (250 शब्द) 12.5

Discuss the parameters that identify a language as classical language. Describe it's benefits while mentioning the languages included in this category. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

साहित्य अकादमी द्वारा किसी भी भाषा को शास्त्रीय भाषा घोषित करने के कुछ मापदंड तय किए हैं, जो हैं -

(1) 1500-2000 वर्षों की प्राचीन परंपरा रही हो अर्थात जिसका प्रचलन रहा हो।

(2) किसी दूसरी भाषा पर निर्भर न करती हो

(3) जिसमें स्पष्ट साहित्यिक परंपरा रही हो

गौरतलब है कि इन प्रतिमानों के आधार पर संस्कृत, तमिल, तेलगु, मलयालम, कन्नड़, उड़िया को शास्त्रीय भाषा के रूप में शामिल किया है।

किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा मिलने का तात्पर्य है कि वह 'एलिट दर्जा'

आधुनिक से अलग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रखती है। यह उस भाषिक परंपरा के लोगों में भाषा के प्रति सम्मान बढ़ाता है।

शास्त्रीय दर्जा प्राप्त भाषा को विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की व्यवस्था की जाती है तथा इस भाषा के विकास हेतु साहित्य अकादमी वित्तीय मदद उपलब्ध कराती है। तथा भाषा के शोध व साहित्य के विकास व समीक्षा के लिए प्रेरित करती है।

o उत्कृष्टता केन्द्र में अध्ययन
o अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

5 1/2

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. 'वसुधैव कुटुम्बकम' की विश्व बंधुत्व की धारणा सभी पंथों व नस्लों को सौहार्द्रता के साथ जीने का आधार प्रदान करती है, लेकिन वर्तमान में यजदी समुदाय जिस शोषण व हिंसा का शिकार है, वह कहीं-न-कहीं इस धारणा पर प्रश्नचिह्न लगाता है। यजदी समुदाय के धार्मिक विश्वासों का उल्लेख करते हुए उक्त कथन की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The notion of universal brotherhood of 'Vasudhaiva Kutumbkam' provides the base to all sects and races for living together with harmony. But at present the exploitation and violence, which Yazidi community is facing are putting somewhere a question mark on this notion. Describe the statement given above while mentioning the religious beliefs of the Yazidi Community. (250 words) 12.5

'वसुधैव कुटुम्बकम' एक अवधारणा है जो सभी धर्म, नस्लों, समुदायों को अस्तित्व के लिए प्रेरित करती है। प्राचीन भारतीय संस्कृति से लेकर पुरानी संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बम' को सैद्धान्तिक रूप से अपनाया गया है।

किन्तु, वर्तमान विश्व की पड़ताल करें तो अनेक समुदाय अभी भी अपनी पहचान, जन्मभूमि व अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं। इराक, सीरिया व तुर्की क्षेत्र के यजीदी, कुर्द, म्यांमार में रोहिंग्या, तिब्बत में तिब्बती, शिनजियांग में मुस्लिम अभी भी पहचान के लिए जूझ रहे हैं।

वास्तव: यजीदी समुदाय अपनी विशेष धार्मिक स्थिति के लिए जाना जाता है और

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

यह है उनका किसी भी अलौकिक देवता पर विश्वास न होना। वे अपने प्राकृतिक देवताओं को मानते हैं। और अपनी विशेष पहचान को किसी भी हालत में न छोड़ना उनका गुण है। वर्तमान में आईएसआईएल द्वारा उनके सर्वाधिक उत्पीडन का कारण भी यही है कि वे अपनी विशेष धार्मिक पहचान को छोड़कर मुस्लिम धर्म अपनाने और स्वघोषित 'खलीफा साम्राज्य' में शामिल होने को तैयार नहीं है।

स्पष्ट है कि विभिन्न समुदाय व धर्मों का अपने अस्तित्व के लिए जूझना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की खंडित होती अवधारणा में निहित है। इसी का नतीजा है कि सभी राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर ऐसे समुदायों को जगह देने को तैयार नहीं है।

जाजीदी समुदाय के पुनर्वास का प्रयास

4½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. "देश का बँटवारा एक ऐसी सांप्रदायिक राजनीति का आखिरी बिन्दु था, जो 19वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में शुरू हुआ।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Partition of the country was the end point of communal politics that started in the last decades of 19th century." Examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सांप्रदायिक राजनीति से तात्पर्य

भारत के 'द्विराष्ट्र' के रूप में विभाजन को लेकर सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, ब्रिटिश नीतियाँ व राजनीतिक परिस्थितियों को उत्तरदायी ठहराया जाता है।

विभाजन में सर्वाधिक योगदान सांप्रदायिक राजनीति का रहा है, जिसे निम्न बिंदुओं में देख सकते हैं-

(1) 19 वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में विभिन्न भारतीय राजनेता सामाजिक धार्मिक मुद्दों से प्रेरित होकर अपनी राजनीतिक माँग रख रहे थे। एक ओर ~~भारत~~ सैय्यद अहमद खाँ मुस्लिम उत्थान के लिए ब्रिटिश विभाजनकारी नीतियों का समर्थन कर रहे थे, तो तिलक 'गणेश उत्सव' व 'शिवाजी महोत्सव' के जरिये अपनी राष्ट्रवादी माँगे उठा रहे थे। इससे सांप्रदायिकता के बीज बोने शुरू हुए।

(2) कांग्रेस को हिंदुओं का संगठन कह मुस्लिम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लीग ने 1909 के अधिनियम से पृथक निर्वाचन की माँग को पूरा करवाया और बंगाल विभाजन को मुस्लिम हितों से जोड़ा।

(2) 1916 में लखनऊ अधिवेशन में पृथक निर्वाचन की माँग को स्वीकृति देकर काँग्रेस ने सांप्रदायिक राजनीति को मान्यता दे दी, जिसका जिन्ना जैसे लोग विरोध कर रहे थे।

(3) दूसरी ओर हिन्दू अखिल भारतीय हिन्दू महासभा हिन्दू हितों को सभा आगे बढ़ा रही थी, इसी क्रिया प्रतिक्रिया में लीग तथा हिन्दू महासभा और सांप्रदायिक होते गये।

• बंगाल विभाजन
• कम्युनल अवार्ड

(4) 1929 की नेहरू रिपोर्ट ने पृथक निर्वाचन की रिपोर्ट को खारिज किया, जिसके विरोध में जिन्ना की 14 सूत्रीय सांप्रदायिक माँगे सामने आयी। यही सांप्रदायिक राजनीति अंग्रेजों की 'फूट डालो राज करो' की प्रेरणा दे रही थी।

(5) काँग्रेस यद्यपि सांप्रदायिक राजनीति से बचती रही किन्तु इसे दूर करने के कोई उपाय नहीं कर पा रही। जो लखनऊ समझौते व नेहरू रिपोर्ट की विरोधाभासी स्थितियों में दिखता है।

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(6) सांप्रदायिकता की यह राजनीति बढ़ती रही जो सावरकर के 'हिंदू राष्ट्रवाद' व लीग की 'पृथक पाकिस्तान की माँग' के जरिये उत्तरोत्तर रूप से बढ़ी और देश का सांप्रदायिक आधार पर विभाजन के रूप में आकर मंद पड़ी।

कुल मिलाकर भारतीय विभाजन को स्वार्थ परक राजनीतिक उद्देश्यों से उपजी परिस्थितियों की देन कहा जा सकता है।

सांप्रदायिक राजनीति विभाजन के साथ समाप्त नहीं हुई।

4

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	¼	2	1½	¼		0	2
Grade	B	B	C	B			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. "राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न कालखंडों में किसानों की मांगों के प्रति कांग्रेस के दृष्टिकोण में भारी विविधता दृष्टिगत होती है।" स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"There is a huge diversity can be observed in the Congress's stand-point towards the demand of the peasants in different time segments of the national movement." Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसानों के विरुद्ध शोषण की पृष्ठभूमि लिखें।

कांग्रेस का ~~किस~~ नेतृत्व अपने जन्म के समय से ही विभिन्न हाथों में रहा, उसी अनुसार विभिन्न वर्गों के प्रति कांग्रेस का दृष्टिकोण परिवर्तित होता गया।

उदारवादी दौर पर आंदोलन में लाना नहीं लिखें

शुरूआत काल खंड में 1885 से 1915 तक कांग्रेस का नेतृत्व उदारवादियों के हाथों में रहा, जिनकी प्रमुख माँगें औपनिवेशिक स्वराज, संवैधानिक सुधारों, ~~सिविल~~ सुधारों व आर्थिक सुधारों तक सीमित रही। इस समय किसानों द्वारा लगान में कमी, भूराजस्व प्रणाली में सुधार, जमींदार व महाजनों के शोषण से छुटकारा जैसी माँगों के प्रति दृष्टिकोण उदासीन बना रहा।

o बंगाल को पूर्ण समर्थन

कांग्रेस में गाँधीजी के आगमन के साथ ही कांग्रेस किसान समस्याओं के प्रति गंभीर हुई। वास्तव: अब तक कांग्रेस का उदारवादी धड़ा आम आदमी की ताकत में विश्वास नहीं करता था इसलिए वह

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

किसानों को आंदोलन से दूर रखता है। किन्तु गाँधीवादी रणनीति 'अधिकतम जनसहभागिता' की ओर प्रवृत्त थी। गाँधी ने खेड़ा, चम्पारण में प्रभावी तरीके से किसानों की माँग को उठाया। और काँग्रेस के दरवाजे किसानों के लिए भी खुलवाये।

अब किसानों की माँगों को कांग्रेस ने राष्ट्रवादी माँग बना दिया। जिसकी अभिव्यक्ति गाँधी जी की 11 सूत्रीय माँगों में दिखाई देती है, जहाँ उन्होंने लगान को कम किए जाने, मालगुजारी कम करने, की बात की। इसी दौरान पटेल जैसे नेता भी किसानों की माँगों को प्रभावी तरीके से उठाते रहे।

1937 के समय जब काँग्रेस की राज्यों में सरकार बनी तो किसानों द्वारा जमींदारी व्यवस्था को खत्म किए जाने के प्रति कांग्रेस ने नरम रवैय्या अपनाया और भूराजस्व में कमी करने व जमींदारी व्यवस्था को खत्म करने से बचती रही।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

इस प्रकार कांग्रेस राष्ट्रीय आंदोलन के चरण में किसानों की मांगों को लेकर विविध दृष्टिकोण लेकर चलती है, यद्यपि आजादी के बाद उसने किसानों की ज्यादातर मांगों को पूरा कर दिया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1/2	1/4		1/4	✓
Grade	B	B	D	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

8. औपनिवेशिक अर्थतंत्र ने किस प्रकार आदिवासी विद्रोहों के प्रस्फुटन की पृष्ठभूमि का निर्माण किया? पूर्वी भारत के आदिवासी विद्रोहों का उदाहरण लेते हुए उत्तर दीजिये। (250 शब्द) 12.5

How colonial economy build background of eruption of tribal revolts? Explain above statement by citing the examples of tribal revolts in eastern India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

आदिवासियों का परिचय दें।

भारतीय इतिहास में पहली बार हुआ कि आदिवासी समाज इतना उग्र हुआ कि वह विद्रोह पर उतर आया, जिसके पीछे ब्रिटिशों की विविध राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक, सामाजिक नीतियाँ जिम्मेदार थी।

आदिवासी विद्रोहों के प्रमुख आर्थिक कारण निम्न हैं -

(1) ब्रिटिश आधिपत्य के साथ ही विभिन्न भूराजस्व नीतियों का विस्तार आदिवासी क्षेत्रों में किया गया। बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़ के क्षेत्रों में किसानों को भूमि अधिकारों से वंचित कर दिया, जबकि उनके पूर्वज उस जमीन पर खेती करते आ रहे थे। संथाल विद्रोह, कोल विद्रोह इसी का परिणाम थे।

(2) रेलवे तथा सड़कों के विकास के दौरान जबरन आदिवासियों को मजदूर बनाया गया तथा भूमि का अधिग्रहण कर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

उसका मुआवजा नहीं दिया। मणिपुर में हुए विद्रोह के पीछे जबरन मजदूर बनाना ही कारण रहा।

(3) अपने आर्थिक हितों को पूरा करने के क्रम में अंग्रेजों ने उनके सामाजिक मामलों में हस्तक्षेप देना शुरू किया जिसका आदिवासियों ने मुखर विरोध किया। वस्तुतः मिशनरी व अंग्रेजी प्रशासन उन्हें ब्रिटिश शिक्षा के जरिये रंग रूप में भारतीय किन्तु रुचि से अंग्रेज बनाना चाहते थे ताकि वे ब्रिटिश माल खरीदें।

(4) आदिवासियों पर पहली बार अंग्रेजों ने कर आरोपित किए। संथालों द्वारा शराब निर्माण करने पर भी कर लगा दिया, जो कि आदिवासियों को अस्वीकार्य था।

(5) इन क्षेत्रों में खनिज संसाधनों की मौजूदगी थी। कोयला एवं लोहा की उपलब्धता थी। अंग्रेजों ने बिना मुआवजे के आदिवासियों की भूमि को अधिग्रहित कर लिया।

(6) ब्रिटिश ने बागानों में खेती को प्रोत्साहित किया जहाँ आदिवासियों से जबरन बेगार

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

करवाई जाती। जो आदिवासी क्रुद्ध हुए।

इस प्रकार ब्रिटिश सर्वतंत्र ने आदिवासियों का जीना दूभर कर दिया, जिससे अंततः आदिवासियों को विद्रोह के लिए बाध्य होना पड़ा।

4+1/2

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1 1/2	1/4		1/4	1
Grade	B	B	C	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

9. क्या आप मानते हैं कि 18वीं-19वीं शताब्दी में शुरू हुआ भारतीय पुनर्जागरण आंदोलन, भारत में राष्ट्रवाद के अंकुरण की पूर्व शर्त थी? तर्कों द्वारा अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Do you agree that the Indian renaissance movement started in 18th-19th century was the precondition for the germination of nationalism in India. Substantiate your answer with arguments. (250 words) 12.5

पुनर्जागरण और परिणामिक

भारतीय राष्ट्रवाद किसी एकल कारण का परिणाम नहीं रहा, किन्तु आरंभिक स्तर पर जिस कारण ने इसे मजबूत आधार प्रदान किया वह भारतीय पुनर्जागरण आंदोलन था।

राष्ट्रवाद के अंकुरण में पुनर्जागरण आंदोलन की भूमिका निम्न प्रकार दृष्टिगोचर होती है-

(1) धर्म सुधार आंदोलन ने धार्मिक रूढ़ियों, सामाजिक विद्रूपताओं को दूर करने का प्रयास किया और बताया कि हमारी गुलामी के पीछे हमारा सामाजिक धार्मिक पिछड़ापन है। अतः यह पिछड़ापन दूर कर आंदोलन ने तार्किक सोच, विचारों को प्रेरित किया। जिससे भारतीय अपनी समस्याओं को पहचानने लगे और ब्रिटिश को इनके पीछे जिम्मेदार पाकर इनके विरुद्ध संगठित हुए।

(2) स्वामी विवेकानंद ने कहा कि "लंबी से लंबी रात अब खत्म हो रही है।" जिसका मतलब

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

था कि अब भारतीय अपनी समस्याओं को दूर का संघर्ष करने को प्रस्तुत हैं। दयानंद सरस्वती ने भारतीय भारत भारतीयों के लिए का नारा देकर लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि "विदेशी शासन कितना भी बेहतर हो किन्तु सुखदायी नहीं हो सकता।" इससे राष्ट्रवादियों में प्रेरणा जगी।

(3) सुधारकों ने सामाजिक धार्मिक सुधारों के क्रम में विभिन्न पत्र पत्रिकाओं का प्रयोग किया, जिससे आधुनिक विचारों का प्रसार हुआ। इन पत्रिकाओं में बताया जाता कि भारत के पिछड़ेपन के लिए ब्रिटिश ही जिम्मेदार है। जिससे एक सशक्त जनमत ब्रिटिश के प्रति उत्तेजित हुआ।

(4) सुधारकों ने शिक्षण संस्थाओं की देश भर में स्थापना की तथा पाश्चात्य प्रगतिशील मूल्यों तथा ज्ञान विज्ञान को भारत में प्रेरित किया। जिससे भारतीय रूसो, वाल्टेयर, एडम स्मिथ जैसे विचारकों से रूबरू हुए और जनतंत्र, स्वशासन, मानवाधिकारों के प्रति चेतना आदि।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5 सुधारकों ने प्राचीन भारतीय संस्कृति के राष्ट्रवादी नायकों का उदाहरण जनता के सामने प्रस्तुत किया और ~~प्रेरित~~ हीनता ग्रंथि को दूर किया जिससे जनता का मनोबल बढ़ा व आत्मसम्मान का संचार हुआ, जिसने राष्ट्रवाद को जन्म दिया।

कुल मिलाकर राष्ट्रवाद का बीजांकुर पुनर्जागरणकालीन प्रवृत्ति में स्पष्ट देखा जा सकता है, जहाँ सुधारकों ने भारतीयों को इतिहास में एक राष्ट्र होने का बोध कराया।

5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	2	1/4		1/4	2
Grade	B	B	B	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

10. "यदि भारत औपनिवेशिक शासन के दौर से नहीं गुज़रा होता, तो भारतीय समाज ने अपने मध्यकालीन जड़ता को तोड़कर आधुनिक काल में प्रवेश नहीं किया होता।" कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"If India had not passed through a period of colonial rule, then Indian society would not have broken its medieval numbers and entered into modern era." Critically examine the statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

मध्यकाल में भारतीय समाज सामाजिक आर्थिक राजनीतिक जड़ता का शिकार था। देश विभिन्न भौगोलिक इकाइयों में बँटा हुआ था, सामाजिक जड़ताओं ने समाज को गतिहीन बना रखा था तथा धार्मिक मान्यताएँ सभी अस्मिताओं पर हावी थीं।

ऐसे दौर में अंग्रेजों का आगमन हुआ। औपनिवेशिक शोषण के कारण सुधारकों ने अपने समाज को सुधारने, धर्म में शुचिता लाने को बाध्य किया। देश का राजनीतिक आर्थिक एकीकरण हुआ और पश्चिम के प्रगतिशील मूल्यों का प्रसार हुआ, जिससे भारतीय समाज की जड़ता टूटी और वह सामंतवादी दौर से आधुनिक दौर में आया।

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(C) निःसंदेह अंग्रेजों का आगमन भारतीय समाज की ~~आधुनिक~~ जड़ता को तोड़ने का एक प्रभावी कारण है, किन्तु इसका यह मतलब नहीं कि भारत कभी इस सामाजिक जड़ता से बाहर नहीं आता। वस्तुतः धर्म सुधार आंदोलन भक्तिकाल में भी हुआ था और समाज की जड़ताओं को तोड़ने का प्रयास हुआ था। यूरोप के पुनर्जागरण का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि वहाँ धार्मिक शोषण अत्यन्त बढ़ी था, जिसने जड़ता को तोड़ने का काम किया और वहाँ किसी बाहरी शक्ति का प्रभाव भी नहीं था। इसी प्रकार भारत में भी शोषण के चरम पर पहुँचने पर पुनर्जागरण होता, किन्तु अंग्रेजों के आगमन से यह शोषण शीघ्र ही समाज को झेलना पड़ा, जिसकी स्वाभाविक प्रतिक्रिया समाज सुधार थी। गौरतलब है कि समाज सुधार का इरादा अंग्रेजों का बिलकुल नहीं था।

(D) वस्तुतः भारतीय समाज में समाज सुधारों की एक महीन परंपरा भक्ति

o मध्यम वर्ग का उदय
o अंग्रेजी शिक्षा का विकास
o औद्योगीकरण

सराहनीय प्रयास

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

आंदोलन से चली आ रही थी, किन्तु ब्रिटिश शोषण ने उसे व्यापकता प्रदान की।

इस प्रकार भारतीय समाज की जड़ता को तोड़ने में ब्रिटिश शासन सहायक तो है, किन्तु इसका यह मतलब नहीं कि भारत इस जड़ता से कभी बाहर नहीं आता। यह जड़ता अवश्य टूटती जब चरम शोषण अंग्रेजों के बजाय राजाओं का ही क्यों न होता।

8

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	½	2	2	¼		¼	✓
Grade	A	B	B	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. "गांधी जी के अहिंसात्मक आंदोलन की तपिश ने न केवल सर्वोच्च सत्ता को वार्ता की मेज पर आने को बाध्य किया, अपितु जन-सामान्य के बीच जुझारुपन की भावना को भी तीक्ष्ण किया।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The heat of non-violence movement of Gandhiji not only forced the supreme powers to come to the conference table, but also strengthened the fighting spirit among the common masses." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गांधीजी राष्ट्रीय आंदोलन की धुरी बन चुके थे। गाँधीवादी रणनीति की विशेषता रही कि ब्रिटिश को गोलमेज सम्मेलन के लिए तैयार होना पड़ा।

इसके कारण निम्न हैं -

① गांधीजी ने ब्रिटिश विरोध के लिए साधन-साध्य की पवित्रता की रणनीति को अपनाया जहाँ साध्य भारत की राजनीतिक आजादी वहीं साधन अहिंसा व सत्याग्रह थे। ये ऐसे साधन थे जिससे भारत के सभी वर्ग, चाहें बूढ़े हों या बच्चे, स्त्री हो या पुरुष, अमीर हो या गरीब, छोटी जाति के हो या बड़ी के, सभी वर्ग आकर्षित हुए और जनभागीदारी लगातार बढ़ती गयी और पूरा देश गांधी के सत्याग्रह से जुड़ गया।

इस रणनीति के कारण अंग्रेजों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

पास कोई कारण नहीं बचा, जिसका हवाला देकर वह जनता का दमन कर सके।

अहिंसक आंदोलन ब्रिटिश को दमन का मौका देता था। जैसे क्रांतिकारियों को ब्रिटिश ने तुरंत दबा दिया। हिंसक ~~प्रवृति से~~ उन्हीं समाजों की भागीदारी भी हतोत्साहित होती।

गाँधीजी अपने रचनात्मक कार्यों के से जनमानस को मानसिक रूप से संघर्ष हेतु तैयार करते और जन संघर्ष की भावना को चरम पर पर उसका प्रयोग ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध करते। यही कारण है कि ~~आस~~ चंपारण, खेडा, रौलेट एक्ट, असहयोग व सविनय अवज्ञा आंदोलन में जनभागीदारी निरंतर बढ़ती गयी, जिसको रोकना अंग्रेजों के लिए असंभव हो गया।

राजनीतिक शिक्षा का प्रयास, हिन्दू-मुस्लिम एकताआह्वान, संघर्ष-विराम संघर्ष की रणनीति आदि का उल्लेख करें।

गांधीवादी अहिंसात्मक ~~आंदोलन~~ रणनीति ने जो जन उर्जा तैयार की वह सविनय अवज्ञा आंदोलन के रूप में बाहर आयी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

जिनने ब्रिटिश जड़े हिला दी। अंततः ब्रिटिश को गोलमेज सम्मेलन के लिए तैयार होना पड़ा, जो तब तक पूरे नहीं हुए जब तक जननेता गाँधी ने भागीदारी नहीं की।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जन सामान्य के मध्य खुमारपन की भावना

5 1/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	3	1 1/2	1/4	✗	1/4	✓
Grade	B	A	C	B		B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

13. "वर्ष 1962 में भारत पर चीनी आक्रमण मात्र द्विपक्षीय संबंधों में तनावों का परिणाम न होकर, चीन की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से त्यक्ता, अलगाव एवं निराशा की भी उपज थी।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The 1962 China attack on India was not only a result of confrontation in the bilateral relations, but was also resultant of Chinese isolation, separation and disappointment from the world politics." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

1962 के भारत चीन युद्ध पीछे अनेक कारण रहे, जिनमें तिब्बत के शरणार्थियों को दलाई लामा सहित भारत द्वारा शरण देना प्रमुख माना जाता है।

[भारत-चीन युद्ध मूलतः सीमा युद्ध था।]

किन्तु यदि इतिहास में झांककर देखें, तो तो इसके युद्ध के पीछे अंतर्राष्ट्रीय कारणों से इतर बातें भी सामने आती हैं।

वस्तुतः चीनी क्रांति के साथ ही 1949 में चीन में साम्यवादी शासन की स्थापना हुई। चीन की तत्कालीन सरकार ने ताइवान में शरण ली। अमेरिकी नेतृत्व में पश्चिमी दुनिया ने चीन की साम्यवादी सरकार के बजाय ताइवान की सरकार को मान्यता दी, जिससे चीन अंतर्राष्ट्रीय अलगाव का सामना कर रहा था। 1962 तक आते आते सोवियत संघ व चीन के संबंध

[वन चाईना पॉलिसी का अंतर्राष्ट्रीय विरोध]

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

भी सीमा विवाद आदि को लेकर उतने मधुर नहीं रहे।

हाले में चीन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अलगाव के कारण उत्पन्न निराशा को शक्ति परीक्षण करके दूर करना चाहता था। उसका मतलब था कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उसे कमजोर नहीं समझा जाये। अतः चीन ने तिब्बत में विस्तार की योजना बनाई, क्योंकि उसे पता था कि तिब्बत से भारत की संधि है अतः तिब्बत मामले में हस्तक्षेप भारत से अवश्यंभावी टकराव को जन्म देगा।

अतः तिब्बती शरणार्थियों को शरण देने के मामले तथा तथाकथित रूप से दक्षिणी तिब्बत पर भारत द्वारा कब्जे किए जाने के कारण बताकर शक्ति परीक्षण किया।

इस प्रकार भारत के ऊपर शक्ति परीक्षण का वह दिखाना चाह रहा था, कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उसे "गंभीरता से" लिया जाये।

6

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

14. 1970 के दशक में वे कौन-सी परिस्थितियाँ विद्यमान थी जिसने एक सशक्त आंदोलन को जन्म दिया? यह आंदोलन अपने किन अंतर्निहित दोषों के कारण सत्ता का विकल्प नहीं बन पाया? (250 शब्द) 12.5

Which conditions were prevailing in the decade of 1970 that gave birth to an empowered movement? Due to what intrinsic flaws this movement could not become an alternative to power? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

1970 के दशक में देश संक्रमणकाल से गुजर रहा था, जहाँ 'संपूर्ण क्रांति' के नारे के साथ एक सशक्त आंदोलन खड़ा हुआ।

इस आंदोलन के पीछे कारण निम्न थे -

① 1970 तक आते आते देश की राजनीति बदलने लगी। 1967 में पहली बार ऐसा हुआ जब नौ राज्यों में गैर कांग्रेसी सरकार बनी। अब "आयाराम-गयाराम" की राजनीति शुरू हुई। राजनीति का अपराधीकरण होने लगा तथा अपराधियों का राजनीतिकरण। जिससे व्यापक भ्रष्टाचार फैला, जिससे एक सशक्त आंदोलन के लिए जमीन तैयार हुई।

- बांग्लादेश संकट
- खाद्यान्न संकट
- बेरोजगारी
- धीमा औद्योगिक विकास
- न्यायपालिका एवं कार्यपालिका में टकराव

② इंदिरा गाँधी सरकार द्वारा जिस प्रकार से राजनीति का दुरुपयोग व बेजा इस्तेमाल

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हो रहा था, और संविधान विशेषज्ञ तक शंकित होने लगे। तत्कालीन चुनावों में सरकारी मशीनरी के (2) दुरुपयोग पर इंदिरा गांधी को न्यायालय द्वारा अपदस्थ किए जाने से सरकार पर लोगों का भरोसा कम होने लगा।

(3) सरकार द्वारा अपने राजनीतिक विरोधियों का दमन भी एक कारण रहा।

आंदोलन के हृदय को लिखें

किन्तु यह आंदोलन सत्ता का विकल्प नहीं बन पाया क्योंकि -

(1) आंदोलन में विपक्षी दलों की व्यापक भागीदारी थी, जो देशहित में नहीं स्वहित के कारण आंदोलन में भाग ले रहे थे। विचारधारा की भी कमी थी

(2) आंदोलन सिद्धांतों की कम, स्वार्थों की लड़ाई ज्यादा था।

(3) सत्ता बदलने के लिए ही आंदोलनकारी दल केवल एकत्रित हुए थे, न कि राजनीतिक समस्याओं को बदलने के लिए यही कारण है कि नई सरकार और पार महज दो वर्षों के भीतर अपना

• विचारधाराओं तथा उद्देश्यों की बहुलता
• व्यवस्था में मतभेद
• संसदीय प्रणाली व संविधान के लिए सरकार-चलाने के तैयार नहीं
• ठोस, व्यावहारिक तथा संस्थागत कार्यक्रम का अभाव

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

अस्तित्व खो बैठी।

(4) जिन कारणों से आंदोलन खड़ा हुआ, वे कारण नई सत्ता में भी दिखाई देने लगे।

वस्तुत: इस आंदोलन में दो धड़े थे एक था सिद्धांतों की लड़ाई लड़ने वाला और दूसरा स्वार्थों की लड़ाई लड़ने वाला। सत्ता परिवर्तन होने पर बागडोर स्वार्थ के लिए लड़ाई लड़ने वाले के हाथ में गयी, इसलिए वह पुरानी सत्ता का विकल्प नहीं बन पायी।

3 1/2

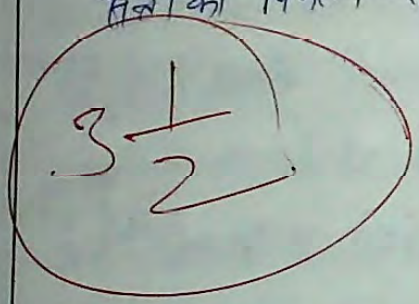

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1/2	1/4	✗	1/4	✓
Grade	B	B	D	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. "छोटे राष्ट्रों को भेड़ियों के आगे डालने से उनको संतुष्ट किया जा सकता है, पर वे यह नहीं समझ सके कि एक बार लहू का स्वाद चख लेने पर तृष्णा कभी पूर्ण नहीं होती, जितना तुष्टीकरण किया जाएगा, उतना ही असंतोष बढ़ेगा।" द्वितीय विश्व युद्ध के संदर्भ में उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Throwing small nations in front of wolves can satisfy them, but they couldn't understand that after once tasting the blood, thirst can never be quenched, the more appeasement will be done, the more dissatisfaction will arise." Analyse the statement in the context of the second world war. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त कथन ब्रिटिश फ्रांस द्वारा फासीवादी ताकतों के विरुद्ध अपनायी गयी तुष्टीकरण की नीतियों को दर्शाता है, जो युद्ध को रोकने में नाकाम रही।

तुष्टीकरण नीति की चर्चा करें।

तुष्टीकरण के पीछे निम्न कारण थे -

(1) इटली, जापान व जर्मनी की फासीवादी ताकतें चूँकि साम्यवाद विरोधी थी, इसलिए फ्रांस ब्रिटेन उनके द्वारा किए जा रहे विस्तारवादी कार्यों को नहीं रोक रहे। जापान ने 1931 में मंचूरिया पर, इटली ने भूमध्यसागर व इथोपिया आदि अफ्रीकी प्रदेशों पर व जर्मनी ने सुडेटनलैंड पर विस्तार किया तो भी ब्रिटिश फ्रांस चुप रहे।

राइनलैंड का सैन्यीकरण, जर्मनी द्वारा ऑस्ट्रिया का अधिग्रहण

(2) इटली के विरुद्ध तुष्टीकरण की नीति के पीछे कारण यह भी था कि ब्रिटेन फ्रांस में भूमध्य

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सागर में इटली जैसा शक्तिशाली शत्रु नहीं चाहते क्योंकि इससे उनके आर्थिक हित बाधित होते। जर्मनी की अवांछित माँगों के पीछे चुप्पी साध लेने का कारण यह था कि वह साम्यवादी रूस के विरुद्ध था और जापान भी मंचूरिया में साम्यवादी रूस से लड़ रहा था।

किन्तु फासीवादी ताकतें द्वारा फ्रांस ब्रिटेन की चुप्पी से वे और प्रोत्साहित हुए, और खुले तौर पर सीमा विस्तार की रणनीति अपनाने लगे। इससे विभिन्न देशों की सीमाओं का अतिक्रमण हुआ। जब हिटलर ने पोलैंड पर हमला किया तो अंततः ब्रिटेन फ्रांस को युद्ध में कूदना पड़ा।

तुष्टीकरण करने वाले राष्ट्रों पर असर / प्रभाव की चर्चा करें।

निष्कर्षतः कह सकते है कि ब्रिटेन फ्रांस ने युद्ध के बदले अपमान को चुना, किन्तु वे युद्ध से

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

नहीं बच पाये बल्कि उनके लिए प्रेरक बन गये

4 1/2

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1 1/2	1/4	x	1/4	✓
Grade	B	B	C	B		B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली–9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. "धुरी राज्यों के धराशाही होते ही मित्र राष्ट्रों के मध्य मित्रता भी समाप्त हो गई तथा उनके बीच तनाव, अविश्वास और घृणा का विकास हुआ जिसकी परिणति शीत युद्ध के रूप में सामने आई।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"After the collapse of axis powers, friendship among allied powers also ended and tension, distrust and hatred developed among them that culminated into cold war." Examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

उपोक्त कथन शीतयुद्ध की शुरुआत के कारणों को दर्शाता है, जिनको द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति पश्चात की परिस्थितियों में खोजा जा सकता है।

शीतयुद्ध के प्रमुख कारण

(1) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रूस ने ब्रिटिश फ्रांस से दूसरा मोर्चा पश्चिम यूरोप में हिटलर के विरुद्ध खोलने को कहा, जिसे उन्होंने नजरअंदाज किया। इससे रूस को लगा कि वे वस्तुतः रूस का विनाश चाहते हैं।

(2) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान पर परमाणु हमला किए जाने की जानकारी रूस के अलावा सभी मित्र राष्ट्रों को थी, जिससे रूस आशंकित हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(3) विश्वयुद्ध के पश्चात चर्चिल ने अमेरिका में दिए भाषण में 'साम्यवाद को सबसे बड़ा शत्रु' बताया। इसी परिप्रेक्ष्य में अमेरिका ने साम्यवाद के प्रसार को रोकने हेतु तीसरी दुनिया के देशों को मदद देने की घोषणा की।

(4) अमेरिका ने 'नाटो' सैनिक संगठन बनाया जिसके विरोध में सोवियत संघ ने 'वारसा पैक्ट' बनाया, इससे तनाव बढ़ा।

(5) 1962 में क्यूबा मिसाइल संकट तथा रूस में अमेरिकी विमान के पकड़े जाने पर अमेरिका द्वारा माफी माँगने से इनकार ने शीत युद्ध को चरम पर पहुँचा दिया।

(6) अमेरिका व सोवियत संघ की सैन्य होड़ शीत युद्ध को और गहरा करती रही।

(7) रूस द्वारा बर्लिन की घेराबंदी भी शीत युद्ध के लिए उत्तरदायी थी।

निष्कर्ष पूरा करें।

4

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

17. "अमेरिकी क्रांति ने राजनीतिक अभिनव परिवर्तनों की एक शृंखला आरंभ की जो बाद के काल में अत्यंत उपयोगी साबित हुई।" विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"American revolution started a series of political innovative changes that became very fruitful in the later period." Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अमेरिकी क्रांति का परिचय दें। ~~अमेरिकी स्वतंत्रता~~ से निम्न राजनीतिक अभिनव प्रयोग हुए -

(a) पहली बार गणतंत्रात्मक शासन की शुरुआत हुई। (b) पहली बार लिखित संविधान, ~~अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा~~, संघवाद, मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, बाजार केन्द्रित अर्थव्यवस्था, शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत, धर्मनिरपेक्ष राज्य की शुरुआत हुई।

अमेरिका में हुए इन परिवर्तनों से पश्चिमी दुनिया की स्वतंत्रता व समता जैसे मूल्यों की ओर अग्रसर हुई। फ्रांस की क्रांति में अमेरिकी परिवर्तन; स्वतंत्रता, समानता, धर्मनिरपेक्ष राज्य, शक्ति का पृथक्करण आदि माँग उठाती।

फ्रांसीसी क्रांति को प्रेरणा प्रदान की।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इन परिवर्तनों से यूरोप में संवैधानिक राजतंत्रों की शुरुआत हुई। पश्चिमी दुनिया ने मुक्त अर्थव्यवस्था की अवधारणा को अपनाया।

ब्रिटेन तथा भारत पर प्रभाव को लिखें।

अन्य उपनिवेशों ने इसे औपनिवेशिक शोषण से मुक्ति के विरुद्ध संघर्ष के उदाहरण के रूप में देखा।

विश्व स्तर पर स्वतंत्रता समानता एवं एकता का प्रचार किया

निष्कर्षत: कहें तो अमेरिकी क्रांति अमेरिकियों के लिए ही क्रांति नहीं थी, अपितु पूरे विश्व के लिए क्रांति थी।

4

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

18. "अगर स्टेट्स जनरल की बैठक नहीं होती तो फ्रांसीसी क्रांति की शुरूआत भी नहीं हुई होती।" उक्त कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? (250 शब्द) 12.5

"If the meeting of Estate General wouldn't held then french revolution couldn't have been started." To what extent you agree with the above mentioned statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

उपरोक्त कथन फ्रांस की क्रांतियों के प्रति उत्तरदायी कारणों की समीक्षा प्रस्तुत करता है।

वस्तुतः स्टेट्स जनरल की बैठक में थर्ड स्टेट्स के लोगों ने ~~संविधान~~ लुई-16 को संवैधानिक राजतंत्र लाने को बाध्य कर दिया। थर्ड स्टेट्स ने संविधान सभा का रूप लिया और क्रांति को अंजाम दिया।

(स्टेट्स जनरल को स्पष्ट परिणाम में)

वस्तुतः यह तात्कालिक कारण मात्र थी, क्रांति के पीछे मूल वजहें कुछ और थी जो हैं -

1. निरंकुश राजतंत्र एवं आम शोषण
2. थर्ड स्टेट्स की निम्नतम स्थिति एवं समानता व स्वतंत्रता की भूख
3. आर्थिक दिवालियेपन पर फ्रांस का पहुँचना एवं जनता पर करों को बढ़ा देना

(• मूल कारण फ्रांस की सामाजिक-आर्थिक संरचना में निहित थी)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(4) बुद्धिजीवियों, पत्र पत्रिकाओं की भूमिका

(5) अमेरिकी क्रांति से प्रेरणा।

अतः यह कथन सत्य नहीं है, क्योंकि क्रांति अवश्यंभावी थी। जिसके पीछे उत्तरदायी परिस्थितियाँ उपस्थित थी। ~~बोस्टन की~~ ~~बैठक तो~~ 1857 की क्रांति में कारतूस वाली घटना के समान थी।

4 1/2

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

19. "यद्यपि 17वीं-18वीं सदी में इंग्लैंड में हो रहे सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी रूपांतरणों ने भावी औद्योगिक क्रांति का आधार तैयार कर दिया था, फिर भी इसमें प्राणवायु का संचार भारत द्वारा ही किया गया।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Though the social, economic and technical transformation in 17th-18th century England laid the future base for the industrial revolution, still the life breath came from India only." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

औद्योगिक क्रांति से तात्पर्य 18वीं शताब्दी के उत्पादन प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन से हुए सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों से है जिसके कारण इंग्लैण्ड की सामाजिक, आर्थिक तकनीकी पक्ष थे।

मशीनों के प्रयोग द्वारा त्वरित विकास

① सामाजिक पक्ष
  ↳ संवैधानिक सरकार
    ↳ स्वतंत्र चिंतन का अवसर
    ↳ आर्थिक विकास पर सरकार का ध्यान

औ. क्रांति के राजनीतिक एवं भौगोलिक कारणों को लिखें।

② तकनीकी क्रांति → वैज्ञानिक आविष्कार
  → मशीनीकरण से कृषि क्रांति
  → भाप इंजन का विकास
  → सिलाई मशीन का विकास
  ↳ संचार व परिवहन साधनों का विकास

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

आंतरिक कारण
- → पूंजी की पर्याप्तता
- → माँग आत्यधिक ↳ उपनिवेशों में भी
- → श्रम की पर्याप्तता

भारत कारण के रूप में

① भारत के रूप में ब्रिटेन को बड़ा बाजार मिला जहाँ वह कच्चे माल को प्राप्त करता था, और तैयार माल को खपा सकता था।

② धन की निकासी पूंजी ब्रिटिश उद्योगों में लगाई

③ व्यापार व निवेश से लाभ कमाया → उद्योगों में निवेश

निष्कर्ष → मूल कारण क्रांति के पीछे ब्रिटिश परिस्थितियां, परंतु भारत उत्प्रेरक की भूमिका में था।

भारत आपूर्तिकर्ता एवं उपभोक्ता दोनों भूमिका में।

4

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation